हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

तंत्री एवं प्रधान संपादक - विजयभाई शर्मा(चोरीवाड-ईडर)

सहतंत्री - कमलेश शर्मा (पनवाडिया-थोलाईवाले)| रामअवतार एम. शर्मा (कुडाया), अहमदाबाद | हितेश पंडित, सिद्धपुर

Website: https://hgbsgujarat.org

वर्ष : 2023 अंक : 2 15 जुलाई 2023, शनिवार Email - guj.abhgb@gmail.com

अखिल गुजरात हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष से खास बातचीत

संजय पंडित प्रदेश अध्यक्ष

सेवा संगठन हर निर्णय में समाज के सदस्यों की भागीदारी को प्राथमिकता देती है, संगठन पूरी क्षमता के साथ एक-एक कार्य को आगे बढ़ाते हुए समाज को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए है तैयार।

"हम गुजरात के समाजबंधुओ को जल्द ही धर्मशाला की भेट देंगे"

बहुत से काम जो अब तक गुजरात में नहीं हुए हैं, सेवा संगठन के गठन के बाद शुरू किए गए हैं। हम समाज के भरोसे को बरकरार रखेंगे, समाज के साथ चलेंगे

संजय पंडित को अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के अध्यक्ष के रूप में छह महीने से अधिक समय हो गया है। अगले नवंबर 2023 में एक साल पूरा हो जाएगा. छह महीने तक अध्यक्ष रहने के बाद हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम ने पहली बार संजय पंडित से खास बातचीत की। जिसमें अध्यक्ष संजय पंडित ने गुजरात सेवा संगठन की कई उपलब्धियां गिनायीं।

1 अखिल गुजरात हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा संगठन के अध्यक्ष बनने के बाद 6 महिने से ज्यादा समय हो चुका है, विभिन्न जिलो से समाजबंधुओ समाजबंधुओ से कैसे सहयोग मिल रहा है?

जवाब - समाजबंधुओं द्वारा मुझे अध्यक्ष चुने जाने के बाद मैंने लगभग सभी जिलों का दौरा किया है। अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के तत्वावधान में वर्तमान में हो रहे कार्यक्रमों को हर जिले से भरपूर उत्साह और समर्थन मिल रहा है। संगठन की ओर से हम अलग-अलग जिलों में गए. जिसमें अहमदाबाद, वडोदरा, साबरकांठा, पाटन, बनासकांठा, नडियाद, आणंद, सूरत जैसे कई जिलों में समाजबंधुओं के साथ बैठक हुई। समुदाय के सदस्यों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। और सभी मिलकर समाज को आगे बढ़ाने के लिए मेहनत कर रहे हैं, जिससे हमें खुशी है।

2 अखिल गुजरात हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा संगठन की तरफ से समाजबंधुओ के लिए अबतक क्या क्या फैसले लिए गए है? और किन फैसलो पर अभी विचार विमर्श हो रहा है?

जवाब - संगठन टीम के गठन के बाद हमने विभिन्न कार्यक्रम किये हैं। जैसा कि हमने विभिन्न जिलों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। इतना ही नहीं जिले की टीमें भी गठित कर दी गई हैं। इसके साथ ही हमने प्रत्येक जिले के युवा अध्यक्ष और युवा उपाध्यक्ष के साथ जिला युवा टीमों का भी गठन किया है। उसके बाद प्रदेश संगठन एवं कमिटी की पहली बैठक बुलाई गई। जिसमें पूरे गुजरात से समाजबंधु आये थे। जिसमें समाज एवं संगठन के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। दो तीन जिले की टीमों द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इतना ही नहीं आणंद जिले की ओर से राज्य स्तरीय परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें पूरे गुजरात से 800 से ज्यादा सदस्य मौजूद रहे। समाज की जनगणना का कार्य भी प्रारंभ किया गया। वीजापुर के हरीशभाई पंडित को जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन्होंने हमारे सामने विभिन्न जिलों की जनगणना के आंकड़े भी पेश किये हैं। अभी भी जनगणना जारी है । वही प्रदेश मीडिया कन्वीनर पंकज शर्मा एवं राजेश शर्मानी समाज के लिए निःशुल्क वेबसाईट-पोर्टल सेवा लोन्च किया। इस तरह से एक के बाद एक कई समाजलक्षी कार्यो को अमली जामा पहनाया जा रहा है। हम समाज की धर्मशाला के लिए भी पूरजोश में कार्य कर रहे है। फरवरी 2024 में गुजरात सेवा संगठन के तत्वावधान में पाटन-बनासकांठा जिला संगठन द्वारा एक भव्य सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। यह एक बेहतरीन कार्यक्रम होगा. उसके लिए भी फिलहाल गतिविधियां चल रही हैं.

3 गुजरात सेवा संगठन द्वारा समाजबंधुओ के लिए धर्मशाला-छात्रावास बनाने के लिए काफी चर्चा चल रही है..उस प्रक्रिया में अबतक कितनी प्रगति हो पाई है?

जवाब - हम गुजरात में समाज की एक भव्य धर्मशाला बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने नडियाद, खेड़ा, डाकोर, आणंद आदि क्षेत्रों में भूमि सर्वेक्षण किया है। हमने नडियाद हेलीपैड पर जमीन के मुद्दे पर एक बैठक भी । धर्मशाला समाज की बनेगी, इसलिए हम गुजरात के सभी समाजबंधुओ की सहमति और चर्चा से ही जगह का चयन करेंगे। हम जल्दबाजी में कोई कदम उठाने के मूड में नहीं हैं, हर निर्णय चर्चा और परामर्श के बाद ही लिया जाएगा, गुजरात के समुदाय के लोग हमारा समर्थन कर रहे हैं। ईश्वर की इच्छा रही तो एक दिन यह धर्मशाला भी बनेगी। फिलहाल धर्मशाला के स्थान को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया।

4 धर्मशाला बनाने को लेकर सेवा संगठन में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है, अब तक भामाशाहो की तरफ से कितना सहयोग देने की बात पर सहमति बनी

जवाब - गुजरात के हर जिले से भामाशाहों से आर्थिक सहयोग मिल रहा है। दो करोड़ से अधिक आर्थिक सहयोग के लिए विभिन्न भामाशाह की सहमति प्राप्त हो चुकी है। यह तो एक शुरूआत है। विभिन्न जिलों में दानवीर अभी भी तैयार हैं,जिन्हें धर्मशाला के लिए अनुदान देना है। समाज में भामाशाह उत्साहपूर्वक आगे आ रहे हैं। क्योंकि गुजरात में पहली बार धर्मशाला का आयोजन हो रहा है. यह गुजरात समाज के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। इसलिए धर्मशाला के लिए प्रत्येक भामाशाह का सहयोग ऐतिहासिक माना जाएगा। धर्मशाला हमारा लक्ष्य है लेकिन हम समाज के लिए अन्य कार्यों पर भी ध्यान दे रहे हैं।

5 गुजरात में कहां कहां जमीन की खोज के लिए संगठन की टीमने सर्वे किया है? जमीन अधिग्रणह के लिए कितना बजट रखा गया है?

जवाब - अब तक नडियाद, पाटन, खेड़ा, आनंद, डाकोर जैसे इलाकों में जमीन का सर्वे हो चुका है. हम उस क्षेत्र के आधार पर बजट तय करेंगे जहां जमीन उपलब्ध है। फिलहाल बजट की ऐसी कोई धारणा तय नहीं की गई है. लेकिन इतना तय है कि भव्य निर्माण के लिए इसका बजट करीब पांच करोड़ रुपये होगा

6 आपने कहा कि धर्मशाला के लिए जमीन की खोज जारी है, लेकिन उसके अलावा संगठन और कौन कौन से कार्यक्रम कर रहा है? जिला स्तर पर या प्रदेश स्तर पर समाज विकास के कोई कार्य हो रहे है?

जवाब - हमने पिछले छह महीने में किये गये काम गिनाये। अब हम अगले छह महीने में भी कुछ काम करने जा रहे है। जैसे क्षेत्रीय युवा टीम का स्नेह मिलन, रक्तदान शिविर, क्षेत्रीय महिला एवं जिला महिला समितियों का गठन, तलाक या विवाद के मामलों को सुलझाने के लिए टीमों का गठन। समाज के गौरवशाली सदस्यों को पुरस्कृत करने के लिए एक समारोह आयोजित करने का विचार किया गया है। जिसे हम एक साल पूरा होने पर प्लान करेंगे।

7 राष्ट्रीय महासभा ने आर्थिक तौर पर पिछडे परिवार को आर्थिक सहायता कोष का गठन किया गया है, क्या प्रदेश स्तर पर इस तरह का कोई आर्थिक सहायता कोष बनेगा या पिछडे परिवारजन को मदद के लिए कोई राशि आबंटित? संगठन क्या सोच रखता है?

जवाब - हम जल्द ही वित्तीय सहायता कोष की घोषणा करेंगे। जिसमें से हम समाज के कमजोर वर्ग के छात्रों को स्कूल शिक्षा फिस या स्टेशनरी में सहायता प्रदान करेंगे। इसके अलावा हम जरूरतमंद परिवार को राशन की मदद भी करेंगे। हम अपनी कमिटी की अगली बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। हमारा संगठन समाज के विकास एवं उत्थान के लिए ही कार्य करेगा। हम इसे कागज पर नहीं बल्कि हकीकत में काम करके दिखाएंगे। हम पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। हो सकता है कि कुछ मुद्दों पर आम सहमति न हो, लेकिन हमारा सेवा संगठन गुजरात समाज को प्रभावित करने वाले हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। संगठन कार्यालय के दरवाजे सभी समाजबंधुओ के लिए खुले हैं। कोई भी कभी भी हमसे संपर्क कर सकता।

8 गुजरात में समाजबंधुओ की एकता को मजबूत करने के लिए एवं दो संगठन को एक करने के लिए आपके क्या प्रयास रहे? कितनी सफलता मिली? क्या महासभा या गुजरात सेवा संगठन एक होने की कोई संभावना आपको दिख रही है?

जवाब - अब पुरानी बातों पर बात करने का कोई मतलब नहीं। गुजरात महासभा के सभी लोग भी हमारे हैं। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। यह अंतर राष्ट्रीय महासभा द्वारा पैदा किया गया था। लेकिन अब हमें कोई शिकायत नहीं है। हम गुजरात के लोगों के लिए कुछ करना चाहते हैं। यदि गुजरात महासभा के सदस्य सेवा संगठन में शामिल होना चाहते हैं, तो हम उनका हार्दिक स्वागत करने के लिए तैयार हैं। अभी भी कुछ नही बिगडा । अब सेवा संगठन आगे बढ चुका है और हम आज भी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का सन्मान करते है और आगे भी करते रहेंगे।

9 2024 में प्रदेश संगठन या कोर कमिटी या ट्रस्ट में किसी तरह का फेरबदल होगा?

जवाब - हां..2024 में हम ट्रस्टी बोर्ड में बदलाव करेंगे, जो ट्रस्टी बनाए गए हैं उनमें प्रत्येक जिले से एक या दो सदस्यों को ट्रस्टी मंडल में लिया जाएगा। ट्रस्ट पर किसी का एकाधिकार नहीं है, यह समाज का है, कुल 21 सदस्य होंगे, अभी वर्तमान में 11 सदस्य हैं। लेकिन 2024 के फेरबदल के साथ 16 नए सदस्यों को शामिल करने की विचारणा है। इस के लिए प्रत्येक जिले से एक नाम जिला अध्यक्ष को भेजा जाए। जिला प्रमुख से जो नाम ट्रस्टी के लिए मिलेगा हम उसे ट्रस्टी के रुप में लेंगे। हर जिले से प्रतिनिधित्व मिले उस तरह से ट्रस्टी मंडल गठित किया जाएगा।

10 प्रदेश अध्यक्ष के रूप में आप समाज को कहां ले जाना चाहते हैं? अभी और क्या करना बाकी है जो आप करोगे?

जवाब - हम समाज को नई दिशा देना चाहते हैं, हम समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं, अन्य समाजों की तरह हमारे समाज को भी हर क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर चलने वाली गतिविधियाँ करना चाहते है । समाज का सहयोग मिलता रहेगा तो हमारा समाज भी पीछे नहीं रहेगा। 2024 सामूहिक विवाह आयोजन, धर्मशाला निर्माण, हम तलाक या कोर्ट विवादों को सुलझाने के लिए एक टीम और वित्तीय सहायता कोष के निर्माण सहित कार्यक्रमों पर आगे काम करेंगे।

11 जिला स्तर पर समाज में विभिन्न कार्यक्रम महिलाएं कर रही हैं। आपका गुजरात सेवा संगठन महिला संगठन नहीं पा रहा हैं। क्या कारण है?

जवाब - हम आने वाले दिनों में कमिटी से चर्चा कर महिला टीम बनाने पर भी विचार करेंगे। महिलाएं समाज में आगे आएं, इसके लिए हम पर्याप्त प्रयास करेंगे।

12 समाज में राजनीति और राजनीति में समाज, आप किसे बेहतर मानते हैं?

जवाब - समाज में कभी राजनीति नहीं होनी चाहिए. समाज में केवल सेवा और केवल सेवा ही एकमात्र उद्देश्य होना चाहिए। हम सभी को इस गंभीरता को समझना होगा कि समाज सेवा सबसे बड़ी सेवा है। राजनीति समाज को जोड़ने का नहीं बल्कि तोड़ने का काम करती है.

13 आपके नेतृत्व में गुजरात सेवा संगठन कई कार्यों में अग्रणी के रूप में देखा जाता है। यदि महासभा के सदस्य सेवा संगठन से जुड़ते हैं, तो क्या आप उन्हें शामिल करेंगे?

जवाब - हम उन सभी का लाल जाजम बिछाकर स्वागत करने के लिए तैयार है, अरे वह हमारे ही तो लोग है। समाज में एकता के लिए ऐसा होता हो तो हम विनम्रभाव से उन्हे सेवा संगठन में जोडने और गुजरात के लिए कार्य करने में सहभागी बनाने को तैयार है।

14 आपने और आपकी टीमने धर्मशाला को लेकर घूम-घूम कर हर जिले का भ्रमण किया है। पिछले संगठन और वर्तमान संगठन के बीच आप क्या अंतर देखते हैं? आपको लोगों से किस तरह की प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं?

जवाब - देखिये, पिछली टीम ने भी समाज के लिए अच्छे काम किये हैं। हम इसे आगे बढ़ा रहे । प्रत्येक व्यक्ति समाज की सेवा के उद्देश्य से संगठन में आता है। इसमें कोई तुलना नहीं होनी चाहिए।

15 आखरी सवाल..हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज आज कहां है और भविष्य के लिए इसका क्या विजन है?

जवाब - हमारे समाज में एक वैचारिक क्रांति आई है। समाज की पत्रिका के रूप में बात अब जन-जन तक पहुंच रही है। यदि देश का विकास करना है तो समाज का विकास करना होगा और यदि समाज का विकास करना है तो व्यक्ति का विकास करना होगा। व्यक्ति के विकास से ही समाज का विकास होगा। 'समाज' का अर्थ है एक परिवार, एक ऐसा संगठन जिसमें आपसी सुख-दुःख का ध्यान रखा जाता है। भविष्य में हमारा समाज चमके और हर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास हो, हम एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं, जहां सभी एक-दूसरे की मदद करें और सुख-दुख में भागीदार बनें। हम सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने को प्राथमिकता देंगे।' हमें शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जाति के लोगों की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। हमारी जाति के लोग जहां भी रहते हैं उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए और उनका विकास किया जाए। सभी समाजबंधुओ से एक ही अपील है, हम आगे बढ चूके है, अब पिछे मत हटना, सहयोग करते रहना, समाज सेवको का हमारा कांरवा एक दिन जरुर रंग लाएगा।

12वीं के बाद विदेश में ग्रेजुएशन कैसे करें, इन आसान 6 स्टेप्स में जानें

अब हमारे समाज के युवाओं में विदेश में पढ़ाई करने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। गुजरात से बहुत सारे लोग पढ़ाई के लिए विदेश गए हैं। सबसे ज्यादा अमेरिका, लंदन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे देशों में पढ़ाई का क्रेज ज्यादा देखने को मिलता है। 12वीं कक्षा के बाद स्नातक कार्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन करना करियर के कई अवसर प्रदान कर सकता है। इसके अलावा आप विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ बातचीत करेंगे, विभिन्न भाषाएँ सीखेंगे, नेतृत्व गुण विकसित करेंगे और आप स्वतंत्र रूप से प्रबंधन करने में सक्षम होंगे। आप यह भी सीखेंगे कि विभिन्न वातावरणों में कैसे रहना है। तो यहां 12 वीं के बाद विदेश में पढ़ाई के लिए 6 महत्वपूर्ण चरण दिए गए हैं।

पंकज शर्मा

1. अपना पसंदीदा पाठ्यक्रम चुनें

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट में आप विभिन्न कोर्स चुन सकते हैं। लेकिन ऐसा कोर्स चुनें जो आपकी रुचि से मेल खाता हो। आप प्राकृतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, व्यवसाय प्रशासन, कला, वास्तुकला और डिजाइन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी आदि विकल्पों में से अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं।

2. तय करें कि आप किस देश में पढ़ना चाहते हैं?

12वीं कक्षा के बाद आप किस देश में पढ़ाई करना चाहते हैं? निर्णय लेने के लिए, आप जलवायु, संस्कृति, भाषा, अध्ययन लागत, आवास और रहने का खर्च, अनुसंधान और इंटर्नशिप के अवसरों जैसे पहलुओं पर विचार कर सकते हैं। उसके आधार पर आप समझ जाएंगे कि यूएसए, कनाडा, जर्मनी, सिंगापुर, यूके, ऑस्ट्रेलिया या किसी अन्य देश में से कौन सा विकल्प चुनना है।

3. एक विश्वविद्यालय चुनें

देश में कौन सी यूनिवर्सिटी अच्छी है जहाँ आप पढ़ना चाहते हैं या जहाँ पढ़ने के बाद आपको करियर के अच्छे अवसर मिलेंगे? आप उसके आधार पर चयन कर सकते हैं. साथ ही आप अपने अनुसार उपलब्ध कोर्स और फीस भी देख सकते हैं।

4. एक मानकीकृत परीक्षण लें

आपको अपने पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार मानकीकृत परीक्षण देना चाहिए। यह टेस्ट आपको एडमिशन दिला सकता है. आपके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों और विश्वविद्यालय के आधार पर टेस्ट और स्कोर की आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं। कुछ लोकप्रिय परीक्षणों में अंग्रेजी भाषा के लिए आईईएलटीएस, टीओईएफएल, डुओलिंगो, पीटीई शामिल हैं। फ्रेंच, जर्मन, चीनी जैसी अन्य भाषाओं के लिए भी परीक्षण होते हैं। आपके मौखिक, मात्रात्मक, तर्क और विषय कौशल को जानने के लिए SAT, ACT।

5. विश्वविद्यालय में आवेदन करें

समय सीमा पूरी होने से पहले विश्वविद्यालय में आवेदन करें। इसमें आवेदन पत्र, मार्कशीट, प्रतिलेख, परीक्षण स्कोर रिपोर्ट, वित्तीय क्षमता प्रमाण पत्र, उद्देश्य का विवरण, सिफारिश पत्र और आवेदन निबंध सहित दस्तावेज शामिल हैं।

6. छात्र वीज़ा के लिए आवेदन करें

प्रवेश की पुष्टि होने के बाद आप छात्र वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए आपको आवेदन पत्र भरना होगा। इसमें वीजा आवेदन पत्र, पासपोर्ट, लाभान्वित छात्र का प्रमाण, विदेश में अध्ययन करने के लिए पर्याप्त धन का प्रमाण, भाषा दक्षता का प्रमाण, प्रवेश पत्र और पिछली शिक्षा का रिकॉर्ड जैसे आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

After Class 12 Commerce

- BBA
- Diploma in Business Administration
- BS in Management Science
- BA in Management Science
- BA in Finance Management
- BA in Accounting Management
- B.Com (Finance and Accounting)

After Class 12 Science

- MBBS
- Veterinary (B.V. Sc)
- Homeopathic
- Ayurveda
- Optometry
- Public Health Administration
- Occupational therapy
- Physiotherapy
- Clinical Research
- Radiology
- Audiology

Non-Medical Courses After Class 12

- Chemistry
- BS in Engineering Management
- Mechanical Engineering
- Civil Engineering
- Bachelor of Engineering Management
- Electrical Engineering
- IT Engineering
- Biomedical Engineering
- Energy Management and Engineering

After Class 12 Arts

- Bachelor of Arts
- Journalism and Mass Communication
- Law education
- Bachelor of Business Administration
- Fine Arts
- Hotel Management
- BS in Product Design
- Bachelor of Interior Design
- BA in Interior Design

समाज की जनसंख्या एवं आवश्यकता के अनुसार धर्मशाला अथवा भवन का निर्माण हो

समाज के लोग वाडी का अधिकतम उपयोग कर सकें इसकी सम्भावनाओं की जाँच करना आवश्यक है, यदि समाज के अधिकतम लोगों को लाभ न हो तो वाड़ी के स्थान पर भवन निर्माण पर विचार होना चाहिए, जिससे समाज के कई उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके

सुनिल पंडित
एस.एस.परिवार

सभी समाजबंधू को मेरा नमस्कार । मुझे बहुत खुशी हो रही है कि गुजरात में पत्रिका के प्रारंभ से ही विभिन्न समाजबंधुओं के विचारों और समाचारों को जाना जा रहा है। गुजरात में समाज की प्रगति के लिए हर जिले के समाजबंधु आगे आ रहे हैं। और नये नये विचार डाल रहे हैं। आज में समाज के बारे मे मेरा विचार प्रस्तुत कर रहा हूं । मेरा विचार किसी का विरोध करना या किसी के बारे में कुछ लिखना कतई नहीं है । कई दिनो से मे मन ही मन मे असमंजस दुविधा से गुजर रहा हूं। बहुत सोचने के बाद लगा की ये विचार समाज के सामने लाना ही चाहिए । और तब मुझे ख्याल आया कि यदि विचारों को वहां रखा जाए जहां विचार-मंथन होता है, तो विचार-मंथन की प्रक्रिया मजबूत हो जाती है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है । वह समाज मे रहेता है । जिस प्रकार मनुष्य को अपने परिवार के प्रति कुछ कर्तव्य होते है । उसी प्रकार उसका समाज के प्रति भी कुछ कर्तव्य है । इन्ही कर्तव्य को करना ही समाज सेवा है । एक पुण्य का कर्म है । इसके कारण लोग अमर हो जाते है । उन्हे सदियो तक याद किए जाते है । समाज के व्याप को देखते हुए समाज में मजबूत संगठनात्मक ढांचे की जरूरत होती है । अपना समाज जनसख्या में कम होने से अपने समाज के लिए संगठन और एकता बहुत जरूरी है , जिससे समाज मे रीतिरिवाज प्रस्तापित हो , समाज मे अनुसाशन आये , और सब समाज बंधू का सम्मान हो । एक भवन या धर्मशाला भी होनी चाहिए जिस पर समाज गौरव महसूस कर सके।

अब बात करते है , समाज संगठन में लोग आते क्यू है ? मेरे मत अनुसार समाज की सेवा करना उनका मुख्य उद्देश्य होता है । दूसरा उनकी खुद की समाज में पहचान बने । उनको यश किर्ति और नामना मिले । यही बात दाता के लिए भी लागू होती है । आजकल समाज मे अनेक गतिविधि चल रही है । उसमें से एक गति विधि है , समाज के लिए समाज वाडी बनाना भी है । अलग अलग लोगो के विचार सुनने समझने से मुझे प्रतित हुआ, की ये विचार गुजरात के अन्य समाज समूह की प्रेरणा से लिया गया है । अन्य समाज और अपने समाज की उपयोगिता मे भिन्नता है । यहा समाज की पॉप्युलेशन डेमोग्राफी का ध्यान नहीं रखा गया है । अन्य समाज की वाडी जहां बनाई जाती है । वहा पे उनकी जनसख्या महतम होती है । जब की अपना समाज पूरे गुजरात मे छोटे छोटे समूह मे बसा हुआ है । मेरे विचार से कोई एक जगह पे वाडी बनाने से समाज मे मनमुटाव बढेगा । क्यूकी कोई एक जिले मे बनी हुई वाडी का उपयोग अन्य जिले वालो को न्युनतम होगा ।

अपने समाज मे एक परंपरा बनती जा रही है । समूह विवाह अलग अलग जिलो मे होता है । वहा के समाजबन्धु मिलकर उनसे बनती सेवा उपलब्ध कराकर समाज का सहयोग करते है । और ये करने से धन्यता अनुभव करते है । यह बहाने से सभी समाजबंधू को गुजरात के अलग अलग जिलो मे विहार करने का मोका मिलता है । वहा की प्रतिभाशाली समाजबन्धुयों को मिलने का मोका मिलता है । जिला के समाजबंधू अपने अपने खुबीयो से काम करते है । और समाज के सामने अपनी पहेचान बनाते है । यहा पर मे उदाहरण देना चाहूँगा.. जैसे हिम्मतनगर में जो समूह विवाह हुआ उसमे संजयभाई , सुनिलभाई , विजयभाई , चंद्रेशभाई जैसी कई प्रतिभा समाज के सामने आई । हाल ही मे हुए आणंद जिले के कार्यक्रम से मनिशाबेन, योगेशभाई, हसमुखभाई , सागरभाई जैसे कई युवा प्रतिभाएं समाज के सामने आई । सही मायने में आणंद जिले के समाजबंधुओ ने बहुत अच्छा आयोजन किया था । विशेष में जिला के समाजबंधू ही कार्यक्रम का आर्थिक बोझ ढोते है । ऐसा करके समाज की सेवा करते है और धन्यता महसूस करते है । इस तरह समाज की जनसंख्या को देखते हुए वाडी की अनिवार्यता कम है । उस कारण से समाज में सब समाजबंधू की भागीदारी और सहयोग भावना कम होगी । जो समाज हित में नहीं है । यह मेरे पर्सनल विचार है। इसका मतलब यह नही है कि में संगठन या समाजबंधुओ के धर्मशाला बनाने के पक्ष में नही हूं। में तन,मन और धन से पूर्णत: सहयोग के लिए तैयार हूं और आगे भी रहूंगा।

मेरा स्पष्ट मंतव्य है की वाडी की जगह पर समाज को गौरवान्वित करे ऐसा भवन निर्माण होना चाहिए । समाज की विशिष्ट परिस्थितियों को देखते हुए , ये भवन की उपयोगिता महत्तम होगी । मेरे सपनो का भवन की प्रेरणा मुझे सरदार पटेल सेवा समाज मिठाखली, अहमदाबाद से मिली है । जहाँ रहकर मेने मेरी पढ़ाई पूरी करी है । वहा पर ग्राउंड और फ़र्स्ट फ्लोर पे समाजिक कार्यक्रमों के लिए रखा जाए । और ऊपर के दो फ्लोर पे होस्टेल बनाई जाए । शिक्षा से ही समाज का विकास होगा । यहा ये बात ध्यान मे रखनी चाहिए की , अपने समाज मे ज्यादातर लोग मध्यम वर्गी है ।

अंत में मेरा कहना यही है , समाज की एकता को बढ़ाने के लिए , जनसंख्या और परिवारों की आवश्यकता और शैक्षिक उपयोगिता को जोड़कर भवन अहमदाबाद , वडोदरा, या फिर विद्यानगर(आणंद) में बनाना चाहिए । यहा पे मेरा समाज के सामने कोई विरोध नहीं है । वाडी या भवन के बारे मे समाज जो भी निर्णय आऐगा वो मुझे शिरोमान्य है । हम पूरा परिवार के तरफ से समाज का तन , मन, धन , से सहयोग करते आए हैं और करते रहेंगे । हम समाज को सम्पूर्ण सहयोग करेंगे । में क्षमा प्रार्थी हूँ । मेने अपने विचार ही प्रस्तुत किए हैं । अन्य जिला या प्रदेश के लोगो के लिए भी सुविधा उपलब्ध हो सकती हैं । समाज के चार-पाँच लोगो को रोजगारी – धंधा भी दे सकते हैं । अन्य समाज के बच्चे और उनकी सामाजिक गतिविधि के लिए किराये पर देकर समाज के लिए अच्छी आय का स्त्रोत भी पैदा किया जा सकता हैं । बेहतर होगा कि आप इस लेख की आलोचना करने की बजाय इसे विचार-मंथन प्रक्रिया का हिस्सा बनाएं। इस पर गंभीरता से विचार कर समाजबंधु एवं कमिटी के सदस्यो से चर्चा करे । एक और अनुरोध है कि इस मुद्दे पर किसी भी बहस, सोशल मीडिया या टेलीफोनिक प्रतिक्रियाओं में न पड़ें। जय समाज जय परशुराम

अगर चाहते है अपने व्यक्तित्व में निखार तो ज़रूर करें ये कार्य

नकारात्मकता का आशय निराशावाद हैं। मानव के पास समस्त जगत को देखने - परखने के दो नजरिए हैं, एक आशावादी दूसरा निराशावादी । इसे, सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टि भी कहते हैं। व्यक्ति जीवन में अलग-अलग प्रकार की नकारात्मकताओं का शिकार हो सकता हैं। आज मैं आपसे विभिन्न प्रकार की नकारात्मकता और उसे दूर करने के तरीकों के बारे में बात करना चाहती हूं।

1. घरेलू नकारात्मकता

हर-घर में दो तरह की एनर्जी का संचार होता है। एक एक पॉजिटिव और एक नेगेटिव ।घर मे कलेश, आर्थिक कारण से बात - बात पर मतभेद और रिश्ता में प्रेम की कमी और सहनशीलता की कमी से अक्सर घरों में नेगेटिव एनर्जी देखने को मिलती है। वहीं नेगेटिव एनर्जी इंसान को बुरा दौर दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। कभी कभी तो नेगेटिव एनर्जी का दुष्प्रभाव इतना गहरा पडता है कि व्यक्ति, को, आर्थिक शारीरिक और मानसिक परेशानियों से सामना करना पड़ता है।

2. पूर्णता प्राप्त करने की नकारात्मकता

पूर्णता प्राप्त करना एक सामान्य आकांशा है लेकिन जब संपूर्ण बनने का विचार ही आपका एकमात्र लक्ष्य बन जाता है, तो यह हानिकारक भी हो सकता है। यह साबित करने की कोशिश करना कि आप पूर्ण और दोषरहित हैं आपको आत्म संदेह , कम आत्मविश्वास और असुरक्षा की दु:खद याता पर ले जाएगा और यही नकारात्मक विचार हमारे पूरे शरीर और आत्मा पर राज करने लगते है ।

3. नियंत्रण करने की कोशिश करना

किसी को भी नियंत्रीत करना, यह कोई शक्ति नहीं है, आप जितना तेजी से आप इसे स्वीकार करेंगे, आप उतने ही । सकारात्मक होंगे । आपको दूसरों को नियंत्रित नहीं करना चाहिए, क्योंकि इस प्रक्रिया में आप अंतत: खुद पर नियंत्रण खो देते है, और आप नकारात्मकता में डूब जाएंगे।

4. चिंता (नकारात्मयता की सबसे बड़ी जड़)

आप चिंतित हो सकते हैं और यह ठीक है, लेकिन बहुत अधिक चिंता करना केवल आपके वर्तमान मन की स्थिति को खराब कर सकता है। चिंता आपके जीवन को नकारात्मक बनाने की सबसे बड़ी जड़ होती हैं।

5. व्यक्तित्व विकास को ऊर्जावान बनाने की युक्तियाँ

व्यक्तित्व विकास को ऊर्जावान बनाने के लिए सबसे जरूरी है जीवन के हर पहलू को देखने का सकारात्मक नजरिया जैसे –

- जीवन में धीरज अपनाए ।
- खतरे का सामना साहस से करें ।
- प्रभावशाली संवाद करें ।
- अच्छे कार्य की प्रसंशा करें ।
- जब आप या कोई और गलती करें तो मन में कोई गांठ न बांधे । Let go की आदत को विकसीत करें ।
- तनाव रहित स्वस्थ जीवनशैली अपनाए ।
- जीवन के प्रति उत्साहपूर्ण नजरिया अपनाए ।

दक्षा शर्मा
मोटीवेशनल स्पीकर एन्ड युट्युबर

नकारात्मकता को दूर करने के उपाय

1. प्राणायाम और मेडिटेशन

प्राणायाम से जुडी एक्सरसाइज करें, अगर आप प्राणायाम जैसे थोगासन करते हैं तो इससे आपके शरीर में शुद्ध हवा जाती है। रोजाना सुबह मेडिटेशन करें। यह उपाय नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने का पहला कदम होगा ।

2. प्रकृति के साथ कुछ समय बिताए

जब नकारात्मकता ऊर्जा आपके आस- पास 'हो, फिर चाहे वह घर हो या ऑफिस, उस समय प्रकृति के साथ सिर्फ 10 मिनट का समय बिताए, उस समय आप कुछ भी विचार नहीं करे सिर्फ प्रकृति की सुंदरता को निहारने को कोशिश कीजिए, यह उपाय आपको जीवन में सकारात्मकता की और ले जाने में बहुत मदत करेगा।

3. घर से नकारात्मकता ऊर्जा हटाने के उपाय

हर कोई चाहता है कि उसके घर में सुख और शांति का वास हो | अगर आप सकारात्मकता की तरक अपना कदम बढ़ाना चाहते हैं, घर में शांति चाहते हैं तो सबसे पहले शिकायतें करना छोड़ दें, धूप और ताजी हवा के लिए खिड़कियाँ खुली रखें, घर में प्राकृतिक रोशनी आने के लिए पर्दा खोल दे । घर के लोगों के बीच आपसी प्रेम होना बेहद जरूरी है, बुजुर्गों का घर में होना ऊपर वाले के आशिर्वाद के समान होता है,। बड़ो के मन में छोटो के लिए प्रेम (निस्वार्थ प्रेम), और छोटो के लिए मन में बड़ों के लिए सम्मान होना बेहद जरूरी हैं।

4. शिकायते करनी कम करे

मनुष्य के जीवन में बहुत सारी शिकायत होती है और जब उनमे सुधार नही आता है तो नकारात्मकता पैदा होती है। इसलिए अपनी जिंदगी से शिकायत करना कम कर दे। आपकी जिंदगी जैसी चल रही हैं वैसी चल दें। सब कुछ समय और ईश्वर पर छोड़ दे। और आप जो भी कार्य करे बस उसको बेस्ट करे।

5. बस जी भर मुस्कुराएं

मुस्कुराने से आपकी आधी परेशानियां तो वैसे ही खत्म हो जाती है। हर छोटी छोटी बात में, खुशी ढुंढने से और मुस्कुराने से आपका स्ट्रेस कम होता है आपका ब्लड प्रेशर भी नियंत्रीत रहता हैं | आपका मूड काफी अच्छा हो जाता है जिससे सकारात्मकता फैलती है।

6. नकारात्मक विचारों को हावी ना होने दें

नकारात्मक विचार अगर आपके मन में आते भी हैं तो उन्हें, आप पर हावी ना होने दें। इसको ऐसा करने के लिए सबसे आसान उपाय यह हैं कि आप व्यस्त रहें । वो कहते हैं ना "खाली दिमाग शैतान का दिमाग होता है" , इसलिए अपने आप को हमेशा किसी ना किसी काम में व्यस्त रखे ।

7. नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखे

कोई आपका दोस्त, रिश्तेदार था, फिर आपके घर के कोई सदस्य, जिनसे मिलने के बाद या बात करने के बाद आपको हमेशा दिमाग में कोई ना कोई टेंशन पैदा हो जाती हैं। ऐसे लोगों से दूरी बनाना शुरू कर दें |

8. हर छोटी-छोटी बात में खुशीयाँ ढूंढे

कभी –कभी हम सोचते है कि आपके पास और की तरह बड़ा घर, बडी गाड़ी नहीं है, बंगला नहीं है पर आपको बड़ी बड़ी खुशियों की जगह हर छोटी-छोटी चीजों में अपने लिए खुशियां ढूंढ़नी है जैसे - अगर आपका बच्चा Mother's Day पर आपके लिए कार्ड बनाकर आपको आश्चर्य कर दे तो भी आपको खुश होना चाहिए, जिससे आप अपने जीवन में नकारात्मकता से दूर रहेंगे और आपको एक सुखमय जीवन जिने के लिए सकारात्मक ऊर्जा मिलती रहेंगी।

(नोट - दक्षा शर्मा युट्युबर है, वह मोटीवेशन स्टोरी के वीडियो बनाते है, आप उनके मोटीवेशन वीडियो देखने के लिए उनके युट्युब चैनल https://www.youtube.com/@dakshasharma पर जाकर देख सकते है)

न्यूज इन बोक्स

इंजीनियर हरदेव शर्मा को क्लास-2 ऑफिसर के पद पर प्रमोशन मिला

सिद्धपुर निवासी हरदेव हरगोबिंद शर्मा (नारनोलिया) को पदोन्नति के साथ गुजरात सरकार के सिंचाई विभाग में उप कार्यकारी अभियंता (सिविल) क्लास-2 (Deputy Executive Engineer (Civil) Class-II) के पद

पर नियुक्त किया गया। जसदण, राजकोट में पंचायत सिंचाई सर्कल उप-विभाग में वरिष्ठता के अनुसार पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया गया। 28 जून को आदेश हुआ जारी, अब हरदेव भाई जसदण(राजकोट) में देंगे सेवाएं। इससे पहले, हरदेव शर्मा मेहसाणा सुजलाम सुफलाम योजना के अतिरिक्त सहायक अभियंता (सिविल) के रूप में कार्यरत थे।

समाज में क्रांति एवं जागरुकता बढी, समाजबंधुओ में चेतना का नया संचार हुआ : सागर शर्मा

अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन पिछले 1 साल से काफी सक्रिय दिख रहा है और आणंद जिला में प्रदेश संगठन की तरफ से जो कमिटी बनाई गई है उसमें जिला अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष बनाए गए. हमे बेहद खुशी मिली. उसके बाद हमे एक प्रेरणा मिली ब्राह्मण समुदाय के आराध्य भगवान परशुरामजी जन्मोत्सव मनाने की. आणंद जिला संगठन की तरफ से परशुराम

जन्मोत्सव मनाने के लिए प्रदेश संगठन के अध्यक्ष संजय पंडित, कोषाध्यक्ष सुरेशजी पंडित के समक्ष हमने प्रस्ताव रखा. हमने कहा था कि आणंद जिला संगठन राज्य स्तरीय परशुराम जन्मोत्सव मनाना चाहता है, उन्होने हमे इसके लिए काफी धन्यवाद और साधुवाद देते हुए जिला संगठन को प्रोत्साहित किया और आगे बढने के लिए परमिशन दी.. उन्होने कहा की गुजरात में इससे पहले हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज में किसीने परशुराम जन्मोत्सव का राज्यस्तरीय उत्सव मनाने के बारे में कभी नही सोचा था. सुरेशजीने भी कहा था कि समाज के लिए यह अदभूत कार्य होगा. प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश की टीम से सूचना व आदेश मिलने के बाद हमने आणंद में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए हमारी तैयारीया शुरु कर दी. कार्यक्रम 22 अप्रैल 2023 को वासद पटेल वाडी में बेहद भव्य एवं शानदार तरीके से आयोजित किया गया. जिला संगठन के सभी युवाओने बढ चढकर हिस्सा लिया, हमे बेहद खुशी हुई कि हम इस कार्यक्रम के आयोजक के तौर पर सफल हुए. इतना ही नही हमको समाज के प्रति और उत्साह से काम करने की एक अद्भुत शक्ति मिली. फिर हमे गुजरात के प्रदेश युवा मोरचा के अध्यक्ष हसमुख शर्मा सक्रिय दिखे,उतना ही नही पहलीबार युवा मोरचा का गठन हुआ उससे ही हमे आनंद हुआ था. इससे पहले हम युवा किसी शादी या कोई पर्व में ही सिर्फ मिला करते थे. लेकिन अब बार बार मिलना होता है. युवा टीम में नया उत्साह एवं संचार देखने को मिला है. युवा ब्रिगेड समाज कार्य में तन मन से लग गई. पहली बार समाज में युवा क्रांति देखी. हम तो चाहते है कि इसी तरह से हमारा समाज आगे बढता चले. अब कभी भी पिछे न रहे. समाज की सर्वप्रथम हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात नाम से पत्रिका शुरु हुई है. यह एक ऐसा साहसवाला कार्य है जो आम तौर पर सभी नही कर सकते है. इसके लिए में विजयभाई शर्मा एवं उनकी टीम को धन्यवाद एवं साधुवाद देता हूं

गुजरात में धर्मशाला बनाने हेतु जमीन के लिए नडियाद हेलिपेड के पास समाजबंधुओ के बीच हुआ परामर्श

अखिल गुजरात हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा संगठन द्वारा अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे के पास नडियाद रिंगरोड से हेलिपेड के पास धर्मशाला के लिए जमीन देखी गई । जिस पर सभी जिलो से समाजबंधुओ एवं प्रदेश कमिटी के सभी सदस्यो को बुलाया गया था। हालाकि इससे पहले जमीन के बारे में खेडा

जिला कलेक्टर एवं मामलतदार से जमीन का टाईटल-NOC वेरिफिकेशन कर लिया गया था। सबकुछ क्लीयर होने के बाद गुजरात के समाजबंधुओ से इस जमीन के बारे में परामर्श एवं सूझाव लेने के लिए नडियाद हेलिपेड के पास मीटिंग बुलाई गई थी। इस मीटिंग में राज्यभर से 100 से ज्यादा समाजबंधुओने हिस्सा लिया था। सभी समाजबंधुओ को जमीन दिखाई गई एवं जमीन सर्वे करवाया गया। सभी समाजबंधुओ एवं अध्यक्ष संजय पंडितने जमीन के लिए सभी से सुझाव एवं राय मांगी थी। जिस के बाद सभी समाजबंधुओने जमीन देखने के बाद अपनी अपनी राय प्रस्तुत की थी। हालाकि जमीन की डील अभी फाईनल नही की गई है। परामर्श में कुछ बिंदुओ को स्पष्ट करने के बाद आगे फैसला लेने के बारे में फिर से मीटिंग बुलाने के लिए कहा गया था। कुछ समाजबंधुओने अन्य स्थल पर भी जमीन की खोज के विकल्प देखने का सुझाव दिया था। जिस पर प्रदेश संगठनने सहमती जताई थी। और जगह पर भी जमीन देखने का कार्य पूरजोश में जारी है ऐसा प्रदेश अध्यक्ष संजय पंडितने बताया था।

गांधीनगर के प्रोफेसर डॉ.दौलत कुमार शर्मा अंतरराष्ट्रीय संमेलन में लिया हिस्सा

गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज गांधीनगर, गुजरात में कार्यरत डॉ. दौलत कुमार शर्मा ने 13 से 15 मार्च 2023 की अवधि के दौरान होटल द ललित, मुंबई में आयोजित "पाउडर धातुकर्म और पार्टिकुलेट सामग्री पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन व प्रदर्शनी 2023 (पीएम-23)", मे संयुक्त रूप से एक शोध पत्र "थर्मल छिड़काव के लिए नैनो-प्रबलित फीडस्टॉक पाउडर का उत्पादन करने के लिए नवीन सम्मिश्रण पद्धति - Novel Blending Methodology To Produce Nano-Reinforced Feedstock Powders For Thermal Spraying", प्रस्तुत किया। डॉ. दौलत कुमार शर्मा ने 94% गोल्ड एलीट सर्टिफिकेशन के साथ "कैथोडिक प्रोटेक्शन इंजीनियरिंग" पर एनपीटीईएल-एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम में टॉपर प्रमाणपत्र प्राप्त किया। प्रशिक्षण का संचालन आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर वी.एस.राजा ने किया। वर्तमान में डॉ. दौलत कुमार शर्मा गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज गांधीनगर, गुजरात में फैकल्टी के रूप में कार्यरत हैं।

आणंद सांसदने पत्रकार पंकज शर्मा को "अंत्योदय को समर्पित प्रधानसेवक" पुस्तक भेंट की।

सागर शर्मा, आणंद : आणंद के लोकप्रिय सांसद मितेषभाई पटेलने News18 Gujarati के सिनियर एन्कर एंव पत्रकार पंकज शर्मा(मूल निवासी आणंद-सारसा) को उनके द्वारा लिखित पुस्तक भेट दी गई। जिसका नाम है "अंत्योदय को समर्पित प्रधानसेवक"। इस पुस्तक में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के 9 साल सफल सुशासन के संदर्भ में देश को समर्पित कई परियोजनाए एवं सरकार के मजबूत फैसले के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है। यह मुलाकात हरियाण गौड ब्राह्मण-गुजरात नाम की पत्रिका के लॉन्चिग के दौरान हुई। जहां सांसद मितेषभाईने पत्रिका के तंत्री विजयभाई शर्मा, पत्रकार पंकज शर्मा एवं समूचित पत्रिका टीम एवं लेखको को अभिनंदन एवं साधुवाद दिया।

चावंड का मंड मंदिर में बंदावला परिवारने चढाया एक किलो चांदी का छत्र

राजस्थान के जयपुर जिले की जमवारामगढ़ तहसील के ग्राम चावंड का मंड में स्थित चावंड माता के मंदिर में बड़ोदरा से पधारे हुए मनोज जी शर्मा ,राधेश्याम जी शर्मा, मूलचंद जी शर्मा (बंदावला) द्वारा एक किलो चांदी का छत्र कुलदेवी चामुण्डा माता को सप्रेम भेंट किया, माताजी की कृपा व आशीर्वाद हंमेशा बना रहे।

रथयात्रा के दौरान सरसपुर में श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण

अहमदाबाद : अहमदाबाद भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान सरसपुर में भक्तों को महाप्रसादी का वितरण किया जा रहा था, जिसे भगवान जगन्नाथ का मोसल माना जाता है। जिसमें अहमदाबाद के समाजबंधु हरेश पंडित ने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से प्रसाद वितरित किया। रथयात्रा के दिन सरसपुर में हजारों लोगों ने भोजन किया।

लायंस-लियो क्लब ऑफ पाटण के पदग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि बने डॉ. देवेन्द्र शर्मा

पाटण : लायंस-लियो क्लब ऑफ पाटण ने सेवा के 46वें वर्ष का अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाटण के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र शर्मा रहे। डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की। इस समारोह में लायंस क्लब एवं लियो क्लब ऑफ पाटन के पदाधिकारी एवं अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष समेत कई महानुभाव उपस्थित रहे।

18 जून 2023 को फादर्स डे सेलिब्रेट किया - संयुक्त परिवार की महक

अहमदाबाद : अहमदाबाद में एस.एस.मावावाला परिवार शहर का प्रतिष्ठित व्यापारी परिवार है। इस परिवार की खूबसूरती यही है कि यह परिवार पीढ़ियों से संयुक्त है। घर और व्यापार सबकुछ संयुक्त रूप से चलता है। संयुक्त परिवार हमें एक दूसरे का फिक्रमंद बनाता है और एक दूसरे के प्रति स्नेह और प्रेम जगाता है। संयुक्त परिवार में काफी सारी परेशानियां अपने आप ही दूर हो जाती हैं। जब 18 जून के दिन देश में फादर्स डे मनाया जा रहा था तब इस परिवार में संयुक्त रुप से परिवार के सबसे बडे बुजुर्ग सदस्य के साथ सभी सदस्योने मिलकर फादर्स डे मनाया।

गुजरात की आवाज बुलंद करने वाले समाज को यह अखबार भेंट करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं। हर समाज के पास ऐसा अखबार या पत्रिका होती है। अब हमारे समाज ने इसे प्रकाशित करके समाज को उन रैंकों में शामिल कर लिया है। अब समाज पीछे नहीं रहेगा।

अशोक पिताम्बरदास शर्मा (मोगर) जिला अध्यक्ष, आणंद जिला अखिल गुजरात हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा संगठन

अहमदाबाद के समाजबंधुओं ने एक अनोखी पार्टी का आयोजन किया

अहमदाबाद के दहेगाम रोड पर रायपुरा गांव के पास जय रणछोड रिसोर्ट में अहमदाबाद के समाजबंधुओ डॉ.आर.एम. शर्मा, कमलेशभाई पुरोहित, भरतभाई पुरोहित, प्रकाशभाई शर्मा, लक्ष्मीकांत पंडित, शैलेश शर्मा, रामनारायण शर्मा एवं अनिलभाई शर्मा के परिवारजनोने मिलकर बोर्ड की परीक्षा में पास हुए दो युवाओ का अदभूत उत्साह बढाया। शहर के समाजबंधु रमणलाल शर्मा के पुत्र अनिलकुमार के दोनों बेटों के 10वीं बोर्ड परीक्षा में 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होने पर उनकी हौसला अफजाई के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सुंदर पार्टी का आयोजन कर दिया। इस शानदार पार्टी में काफी महिलाओने भी शिरकत की। यहां अनिलभाई शर्मा के दोनों बेटों का सम्मान किया गया तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। तो इस कार्यक्रम में महिलाओं ने म्यूजिकल चेयर गेम का लुत्फ उठाया. इस कार्यक्रम में 50 से अधिक समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक साथ भोजन किया। और इस मौके को यादगार बताया गया।

दिव्यांग समाजबंधु हितेश पंडित को मिली मदद

वडोदरा के दिव्यांग समाजबंधु हितेशभाई पंडित सरकारी लाभ के लिए जरुरी प्रमाणपत्र पाने में सफल रहे। पुलिस इन्स्पेक्टर सुभाषभाई शर्मा और पंकज शर्मा के प्रभावी प्रयासों से दिव्यांग समाजबंधु हितेशभाई पंडित को मात्र 10 दिनों में "आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए पात्रता प्रमाण पत्र" (EWS-Certificate) मिल गया। यह काम कई समय से रुका हुआ था। अब हितेश के परिवार में खुशी छाई है। पंकज शर्माने बताया है कि हम भविष्य में भी जरुरतमंद समाजबंधु के लिए ऐसे सार्थक प्रयास जारी रखेंगे। हितेश पंडित फिलहाल सरकारी भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे है।

गुजरात में समाजबंधुओ की जनगणना एवं मतदाता सूचि का महत्व, जाने क्यूं जरूरी है?

डिजिटल जनगणना - सॉफ्ट कॉपी की जरूरत नहीं, घर बैठे डाउनलोड किया जा सकता है

गुजरात समाज के समस्त समाजजनो को जानकारी होगी की, हमारे गुजरात समाज की वर्ष 2003-2004 मे जनगणना हुई थी, जो की वडोदरावाले रामचरणजी शर्मा एवं सिद्धपुरवाले प्रभुदास शर्मा मास्टर जी ने करवाई थी। बीस साल बाद, वर्ष 2022 के दिसंबर माह की 23 तारीख से एक बार फिर से गुजरात समाज की "डिजिटल जनगणना यादी एवं मतदाता सूची" बनाने का कार्य शुरू किया गया , जो की 18.05.2023 तक समाज के सभी वर्गो ने इस जनगणना अभियान मे हिस्सा लिया और अपने परिवार की जानकारी नियत फॉर्मेट मे भरकर दी और बहुत से परिवारोने ऑनलाइन वोट्सअप के माध्यम से हिस्सा लिया।

हरिश पंडित
विजापुर-नायब तहसीलदार

अहमदाबाद से लाली महाराज जी और अशोकजी शर्मा ने विशेष योगदान दिया और अहमदाबाद के परिवारों के घर घर जाकर जनगणना फार्म भरवाए भी और एकत्रित कर माहिती, डेटा एंट्री सेन्टर तक पहुंचाई। इस कार्य के लिए लाली महाराज जी और अशोकजी शर्मा की जीतनी तारीफ की जाय उतनी कम है। तो दूसरी और गांधीनगर से देवकीनंदजी शर्मा (पेथापुर),राकेशजी शर्मा (धेधु) रमणलालजी, योगेन्द्रजीशर्मा (दहेगाम), वडोदरा से मनीषाबेन शर्मा,पाटण से हरिशजी, दिनेशजी,जगदीशजी शर्मा, खेड़ा जिले से सुरेशजी कठलाल वाले एवं उनकी युवा टीमने, बनासकांठा से रामभाई (शिहोरी वाले)एवं उनकी टीम, साबरकांठा से विजयजी,चंद्रेशजी शर्मा (चोरीवाड),सीतारामजी शर्मा (हिम्मतनगर)दाहोद जिले से प्रदीपकुमारजी शर्मा,हालोल कालोल से राजकुमारजी शर्मा ने,सूरत वलसाड से राजेन्द्रजी शर्मा ने सभी ने अपना अपना योगदान देते हुये जनगणना मे बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और समाज के परिवारों तक पहुँच कर माहिती एकत्रित कर माहिती, डेटा एंट्री सेन्टर तक पहुंचाई। इस निस्वार्थ सेवा के लिए उक्त सभी की जीतनी तारीफ की जाय उतनी कम है।

अब इस जनगणना एवं मतदाता सूचि की आवश्यकता एवं उसकी उपयोगिता कैसे समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण है इस पर अपनी बात रखता हूं। जैसे देश की जनगणना इसलिए की जाती है की , देश की जनता के लिए विकास लक्षी योजना बनाने मे जनगणना का डेटा काम मे लिया जाता है , ठीक उसी प्रकार से हमारे समाज की जनगणना से जो डेटा एकत्र हुआ है , उससे हम समाज के परिवारों के लिए योजनाए बना सके, बुजुर्गो के लिए, युवाओ के लिए, महिलाओ के लिए, छात्रो के लिए, बच्चो के लिए योजनाए बना सके । और समाज को और आगे बढ़ा सके। इस डाटा से हमारे समाज की सही आबादी का हमे पता चल सके, कहाँ कहाँ हम बसे है, हमारा मुख्य व्यवसाय क्या है,हमारी व्यवसाय की स्थिति क्या है, हमारी शैक्षणिक स्थिति क्या है, हम मे कितने युवा है, कितने बुजुर्ग है, कितने विवाहित है ,कितने अविवाहित है, हमारा जेंडर रेशियों क्या है ,हमारे संपर्क ,हमारे निवास स्थान की जानकारी क्या है, यह सब जनगणना से पता चलता है। इन सब जानकारी का उपयोग करके समाज संचालक व्यवस्थातंत्र समाज विकास की योजनाए बना सकते है।

तारीख 18.05.2023 तक समाज के बड़े बूढ़े सभी मिलाकर 2,384 तक की जनगणना हो चुकी है , इसकी डेटा एंट्री हो चुकी है। समाज की जनसंख्या 3500 से 4500 तक होने का मेरा अनुमान है। क्यूंकी वर्ष 2003 मे जब जनगणना हुई थी तब मुझे याद है वहाँ तक 2000 के करीब जनसंख्या थी। भारत मे जनसंख्या वृद्धि दर प्रति वर्ष 2.5% है , इस हिसाब से प्रति वर्ष 50 का जन्म दर मानकर चले तो भी 3000 से 3500 के करीब तो हमारी जनसंख्या होनी चाहिए। अतः समाज की वर्तमान जनसंख्या (2384) को देखते हुए , अभी भी समाज के परिवारों ने जनगणना मे हिस्सा नहीं लिया हो , या उन तक माहिती ही ना पहुंची हो , या फिर अन्य कारणवश उन परिवारों ने जनगणना से अपने आप को दूर रखा हो यह संभावना प्रबल है। इस लिए समाज की जनगणना कार्य जो की 18.5.2023 से माहिती के अभाव मे रुका पड़ा है , उसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है । यह समाज की जनगणना है , कोई व्यक्ति विशेष यह कार्य नहीं कर रहा है,यह समस्त समाज कर रहा है ,जनगणना मे माहिती एकत्र करने का योगदान देने वालो के नाम की अवश्य प्रशंसा की जाती रहेगी।

महासभा से संबंधित विवाद के बारे में गणेश दत्त शर्मा एवं कमलेश शर्माने रखी सकारात्मक बात

समाज सुधार एवं समाज कल्याण से विचलित समाज चिंता का विषय

राष्ट्रीय महासभा और उससे जुडे विवाद को लेकर सोशियल मीडिया में तरह तरह की बयानबाजी एवं कई समाजबंधु वोट्सअप ग्रुपो में अपनी अपनी बात रख रहें है, इसलिए महासभा के पदाधिकारी का आधिकारिक बयान मिल नही रहा। गुजरात पत्रिका टीमने इसके लिए गुजरात महासभा के महामंत्री कमलेश शर्मा(पनवाडिया) से पूरे विवाद के बारे में स्पष्टता देने के लिए खास बातचीत की।

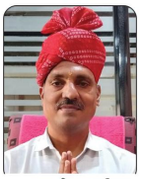

कमलेश शर्मा
पनवाडिया-थोलाईवाले

कमलेश शर्मा (पनवाडिया)ने पत्रिका टीम से अपनी बात रखते हुए कहा कि हम सभी समाज बंधुओं के लिए गौरव की बात है कि हम सब ने एक आदर्श ब्राह्मण समाज में जन्म लिया है एवं ब्राह्मणों ने सदैव सभ्यता एवं संस्कृति की रक्षा के साथ में विभिन्न समाज एवं समुदाय को मार्गदर्शन दिया है। मगर आज हमारा समाज कुछ विवादों एवं विचारों को लेकर विचलित है । समाज में सभ्यता एवं संस्कृति की रक्षा के साथ ज्ञान एवं विज्ञान के अनुसार परिवर्तन संसार का नियम है। इसलिए आज हमारे समाज को समाज सुधार एवं समाज कल्याण के माध्यम की सख्त आवश्यकता एवं जरूरत महसूस हो रही है।

उन्होने कहा कि मानो या ना मानो लेकिन आज हमारा समाज समाजिक कल्याण एवं समाज सुधार के महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज कर एक दूसरे को नीचा दिखाना एवं समाज को तोड़ने की भावना दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। समाजबंधुओ में एकदूसरे के प्रति प्यार , स्नेहभावना एवं सहयोग का भाव कम होता जा रहा है। यह हम सभी समाजबंधुओ के लिए चिंता का एवं चिंतन योग्य विषय है।

कमलेश शर्मा का मानना है कि समाज से चुने हुए समाज अध्यक्ष समाज की कार्यकारिणी समाज के विभिन्न ट्रस्ट एवं ग्रुप इन सब में एकता एवं अखंडता होना अति आवश्यक है। आज हम देख रहे हैं कि समाज सुधार एवं समाज कल्याण की बातों को छोड़कर हमारा समाज राजनीति में ऐसा उलझा हुआ है कि वह कई हिस्सों में बट चुका है एवं इसी तरह चलता रहा तो आने वाले समय में और भी कहीं हीस्सो बटता एवं भटकता नजर आएगा। लेकिन यह समाज के विकास के लिए सही नही है।

कमलेश शर्माने यह भी कहा कि हम मानते है कि आज ऑल इंडिया हरियाणा गॉड ब्राह्मण समाज एवं अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के अस्तित्व एवं पंजीकरण के विवाद में समाज बहुत ज्यादा उलझा हुआ है। ऐसा नहीं है कि यह विवाद आज कल का या अभी दो-चार पांच सालों का है। यह विवाद पिछले कहीं वर्षों से चला आ रहा है एवं समाज के चुने हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष बन रहे हैं, पद ग्रहण कर रहे हैं एवं नए चुनाव में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुनकर आ रहे हैं एवं जा रहे हैं। कहीं लोग चुनाव प्रक्रिया को लेकर भी नित्य नए-नए विवाद खड़े कर रहे हैं एवं चुनावों को गैरकानूनी बताने की कोशिश भी कर रहे हैं। इसमें सत्य एवं असत्य तो वही जाने मगर समाज अवश्य उलझता जा रहा है। मगर इस उलझन को समाज की जाजम पर बैठकर सुलझा ने की जगह दिन प्रतिदिन समाज बंधु व्हाट्सएप के विभिन्न ग्रुपों के माध्यम से इस विवाद को ज्यादा से ज्यादा उलझाने की कोशिश कर रहे हैं एवं समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह हमारे समाज के लिए बेहद दुखद एवं शर्म जनक बात है। हम सभी समाजबंधुओ से एक अनुरोध करना चाहते है कि यह गंभीर बात को समझना अनिवार्य है अन्यथा हम सभी समाज का हित नही कर पाएँगे। हो सके एवं संभव हो तो महासभा से संबंधित विवादो को समाज की जनरल मीटिंग में समाज की जाजम पर बैठकर इसका तुरंत अंत लाया जाए। अगर समाज में एकता अखंडता नहीं होगी तो क्या तो रजिस्टर करेगा और क्या कोर्ट कचहरी एवं जज करेगे। वह तो अपना फैसला किसी भी तरह सुना देंगे, नुकसान तो समाज को ही होना है एवं समाज की अस्तित्व की लड़ाई को होना है। इसीलिए सर्व समाज बंधुओं को एवं इस मामले से जुड़े हुए सभी समाज बंधुओं से मेरी विनती है कि समाज को आगे बढ़ने दे एवं छोटे-छोटे विवादों का अंत लाए एवं समाज सुधार एवं समाज कल्याण के विषयों पर समाज को आगे बढ़ाने का बल देवे एवं मार्गदर्शन प्रदान करें।

सामूहिक व्यवस्था में चुनौती और समाधान

वही राजस्थान से समाजबंधु गणेश दत्त शर्माने कहा कि सामूहिक व्यवस्था में व्यक्तिगत रूप से कोई व्यक्ति किसी प्रक्रिया से सहमत है या असहमत है, यह बात मायने नहीं रखती । लेकिन हर व्यक्ति को अपने विचार रखने का समान हक है , अपनी बात मनवाने के लिये कोशिश करने का भी अधिकार होता है । लेकिन सामूहिक निर्णय प्रक्रिया से लिया गया निर्णय उस व्यवस्था के लिये मान्य होता है । असहमति के बावजूद उस प्रक्रिया में हर व्यक्ति सहयोगी हो सकता है ।

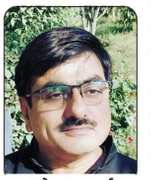

गणेश दत्त शर्मा
वरिष्ठ समाजबंधु एवं चिंतक
राजस्थान

गणेश दत्त शर्माने बताया कि वर्तमान में अ. भा.ह.गौ.ब्रा महासभा को सक्षम विभाग द्वारा अपंजिकृत संस्था माना गया है। ऑल ईन्डिया हरियाणा गौ ब्रा महासभा को सक्षम विभागने पंजिकृत माना है । लेकिन ऑन लाईन मैपिंग अभी तक शायद नहीं की गई है। ऐसी परिस्थिती में कानूनी दांव पेच अपनी जगह हैं , लेकिन उक्त परिस्थिती समाज हित में नहीं मानी जा सकती। ये हालात कहीं ना कहीं लगातार नियमों की अनदेखी,अपने प्रभाव का उपयोग करते हुये दवाब या लालच जो भी हो राजकीय विभागों को भी हमारे इस अव्यवहारिक माहौल में शामिल किये जाते रहे है। कागजी कमियों को दूर करने की बजाय अपने रसूख, राजनितिक प्रभाव, पैसे या लठैती ताकत का प्रयोग या डर दिखाया जाकर , कागजी कार्यवाही दुरस्तीकरण के बजाय दबाने या लीपापोती होती रही है। सामाजिक व्यवस्था में सामूहिक प्रबंधन महत्वपूर्ण होता है। सामाजिक नियम व राजकीय प्रक्रिया अपनाने का आग्रह पूर्व से वर्तमान तक समाजजनों द्वारा लगातार होता रहा है, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा हो नहीं पाया। सामूहिक व्यवस्था में गलती, भूल या अनदेखी चाहे पूर्व में हुई हो या वर्तमान में हो रही हो , उसके दुरस्तीकरण का आग्रह व जिम्मेदारी तात्कालिक वर्तमान प्रबंधन पर ही आती है। इसलिए समस्या के उचित समाधान की पहल वर्तमान प्रबंधन को समाजजनों के साथ विचार विमर्श कर करने की सकारात्मक कोशिश करनी चाहिए। यदि प्रबंधन इस दिशा में नकारात्मक, उदासीन है या जबरिया , अनुचित व्यवहार दर्शाता है ,तो सक्रिय,अनुभवी समाजजनों को आगे आकर उचित समाधान की कोशिश करनी चाहिए। और यदि प्रबंधन का व्यवहार सकारात्मक है, तो फिर उसका सहयोग करना चाहिए । यदि कोई व्यक्ति गलत जानकारी या तथ्यों के आधार पर प्रबंधन को चुनौती देता है, तो समाज के अनुभवी, सक्रीय व्यक्तियों संबंधित व्यक्ति द्वारा साझा किये गई जानकारी व तथ्यों को अनुचित या गलत सिद्ध करते हुए, समाज हित में उनसे सहयोग करने का स्पष्ट व दृढता से आग्रह करना चाहिए।

आखिर में गणेश दत्त शर्मा कहते हे कि समाज हित में मिलकर ही समस्याओं का उचित समाधान,जल्दी व सहजता से हो सकता है। सामूहिक व्यवस्था में ना कोई किसी से हार सकता है और ना ही कोई किसी से जीत सकता है। सामूहिक व्यवस्था में या तो समस्या के रूप में चुनौती होती है या फिर समस्या का समाधान ही होता है। वर्ना उलझे रहो सालों साल, पीढियों से पीढियों तक।

सेवा : पंचमहाल के राजकुमार शर्मा पत्रिका के सारथी बने

तीन जिलों में कुल 40 परिवारों के घर-घर जाकर पत्रिका बांटी

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज में एक के बाद एक जन जागरूकता गतिविधियाँ तथा नये विचारों एवं तकनीकों का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। हाल ही में गुजरात क्षेत्र के समाजबंधुओं के सहयोग से 15 जून 2023 को हरियाणा गौड़ ब्राह्मण-गुजरात के नाम से एक पत्रिका लॉन्च की गई। इस पत्रिका ने पूरे गुजरात में समाजबंधुओं में नई जिज्ञासा और नया जुनून जगाने का काम किया है। गुजरात के सभी जिलों में रहने वाले समाजबंधुओं को घर-घर जाकर पत्रिका बांटी जा रही हैं। तो पत्रिका वितरण में हर जिले के समाजबंधुओं का जबरदस्त समर्थन मिला है. हर परिवार तक पत्रक पहुंचाने के लिए हर कोई मेहनत करता नजर आया।

गोधरा, पंचमहल के पास डेलोल निवासी राजकुमार पंडित की तरफ से घर-घर पत्रिका वितरण में बहुत सहयोग मिला। पत्रिका पढ़ने के बाद राजकुमार पंडित ने पत्रिका का संदेश न सिर्फ अपने परिवार तक बल्कि जिले के हर परिवार तक पहुंचाया। राजकुमार पंडित (देलोल) ने पंचमहाल जिले के अलावा महीसागर, लुणावाड़ा, संतरामपुर, दाहोद में भी पत्रिका बांटी और समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। राजकुमार भरतलाल शर्मा 35 साल से देलोल(पंचमहाल) गांव में रह रहे हैं। वही पर गीता डेयरी फार्म से उनका डेरी पार्लर है। उनके पिता भरतलाल शर्मा कुंडा (मूल निवासी हाथरस-यूपी) के हैं जबकि मां गीताबेन शर्मा (मूल निवासी जटपुरा-यूपी) के हैं। राजकुमार के दो बच्चे हैं। बेटी का नाम जिनल शर्मा है जबकि बेटे का नाम निखिल शर्मा है। उनकी पत्नी मनीषाबेन शर्मा हैं जो डेयरी फार्म में राजकुमार का भी सहयोग करती हैं। और घर की जिम्मेदारी भी संभालती है। राजकुमार शर्मा के पास अखिल गुजरात हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा संगठन के तत्वाधान में पंचमहल-महिसागर-दाहोद जिला उपाध्यक्ष का कार्यभार है।

पत्रिका के बारे में बात करते हुए राजकुमार ने बताया कि गुजरात में समाज की पत्रिका बहुत ही सराहनीय कदम है।और पत्रिका हर घर तक पहुंचना चाहिए। इसलिए जब मैंने पत्रिका पढ़ी तो मुझे बहुत खुशी हुई। समाज की खबरें जानने और पढ़ने के बाद मुझे बहुत उत्साह मिला। मैंने इस पत्रक को आस-पास रहने वाले प्रत्येक घर में वितरित करने का निर्णय लिया ताकि पत्रक टीम का उत्साह बढे और वे आगे भी इस कार्य को जारी रखें। मुझे इस पत्रिका को 35 से अधिक परिवारों में वितरित करके खुशी हो रही है। वहीं जिन परिवारों को पत्रिका दी गई, उन्होंने इसे लेकर काफी खुशी व्यक्त की। राजकुमारने पत्रिका टीम के बारे में बताते हुए कहा कि मैं विजय भाई, पंकज भाई सहित पत्रिका की टीम को बधाई देता हूं। आप समाज को जानकारी प्रदान करने का उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। जो गुजरात में पहले कभी नहीं हुआ। कोई भी समाज या क्षेत्रीय संगठन तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वह सामाजिक विकास गतिविधियों और समाज के लोगों के साथ संवाद स्थापित नहीं करता। यह निश्चित है कि गुजरात पत्रिका लोगों के लिए एक सेतु का काम करेगी। इससे समाज की कई गाथाएं लोगों तक पहुंचेंगी।

पत्रिका टीम के सदस्य पंकज शर्मा ने कहा कि पत्रिका के भव्य लॉन्च के बाद हम इसके वितरण को लेकर थोड़े असमंजस में थे। क्योंकि सवाल था कि वितरण को लेकर क्षेत्रीय संगठन या समाज के अन्य सदस्यों से सहयोग मिलेगा या नहीं। लेकिन फिर हमने सभी जिलों के लोगों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने और एक-एक करके ये पत्रिका पहुंचाने का फैसला किया। इसलिए जिले के उन सदस्यों से संपर्क किया जो सहयोग करने के इच्छुक हैं। पत्रिका की असंख्य हार्ड कॉपी उन्हें भेजी गई। लॉन्च के समय ही हमने वडोदरा में चंचलभाई शर्मा, आणंद में सागरभाई शर्मा, खेड़ा में सुरेशभाई पंडित, अध्यक्ष संजयभाई पंडित को जिलेवार प्रतियां भेजीं। इन सभी सदस्यों ने बहुत अच्छा योगदान दिया। वही महासभा अध्यक्ष रामजीलाल शर्माने वडोदरा से गोधरा-दाहोद तक कॉपीया भीजवाने में मदद कर दी। हमने अहमदाबाद में कुल 10 लोकेशन तय किए, जहां समाजबंधुओ सबसे ज्यादा रहते हो उनके इर्दगिर्द ही पत्रिका आसानी से प्राप्त हो जाए उसके लिए ओढव, बोपल, वस्त्राल,जशोदानगर,इसनपुर, मणिनगर, कठवाडा, नरोडा,थलतेज, रखियाल समेत कई जगहो पर समाजबंधुओ के घर पत्रिका की कुछ कॉपीया भिजवा दी। ताकि समाजबंधुओ एक दूसरे के यहां आते जाते भी यह आसानी से प्राप्त कर सके। उसके बाद हम मध्य गुजरात के अन्य जिलों जैसे पंचमहाल, दाहोद, महिसागर में प्रतियां पहुंचाने के लिए सहयोगियों की तलाश कर रहे थे। हमने अधिकांश प्रतियाँ वडोदरा से पंचमहल-गोधरा में राजकुमार पंडित को भेजीं। लेकिन, राजकुमार पंडित ने गजब का साथ दिया। और उन्होंने घर-घर जाकर पत्रिका बाँटी। इस प्रकार प्रत्येक जिले के सदस्यों ने समर्थन किया है। लेकिन शुरुआती पहल के दौरान हमारी टीम को राजकुमार की सेवा सबसे अच्छी सेवा लगी। गांधीनगर जिले के परिवारजन की सभी कॉपीया डॉ.दौलतकुमार शर्मा एवं सुभाष शर्मा को दी गई थी। वही साबरकांठा-अरवल्ली जिले में पत्रिका वितरण के लिए विजयभाई शर्मा(चोरीवाड) और जिला उपाध्यक्ष राजुभाई शर्माने जिम्मेदारी संभाली। तो बनासकांठा-पाटण में पत्रिका वितरण के लिए जगदीशभाई शर्मा(पाटण)ने जिम्मेदारी संभाली। तो महेसाणा-सिध्धपुर के लिए हितेश शर्माने जिम्मेदारी संभाली थी। हमें खुशी है कि हम जो चिंता व्यक्त कर रहे थे, वह समाज की एकता और सहयोग से दूर हो गई।और हमारा उत्साह दोगुना हो गया । आशा है कि समाज के सदस्यों को पम्पलेट में सूचना एवं समाचार देने में भी सभी लोग सहयोग एवं लेखन करते रहेंगे। याद करना यह पत्रिका आपके लिए शुरू की गई है, इसकी निरंतरता अब समाज की सामूहिक जिम्मेदारी होगी। जय समाज

"हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात" पत्रिका का सफल लोन्चिग हुआ, सांसद मितेषभाई पटेलने पत्रिका को पढकर समाजबंधुओ को इस उमदा कार्य के लिए शुभकामनाएं दी

श्री हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात प्रदेश द्वारा समाज की प्रथम पत्रिका आणंद के लोकप्रिय और प्रजावत्सल सांसद श्री मितेशभाई पटेल और अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय पंडित एवं पत्रिका के तंत्री श्री विजयकुमार छत्रपाल शर्मा द्वारा लॉन्च किया गया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन पत्रकार पंकज शर्माने किया था।

इस दौरान कोषाध्यक्ष सुरेश पंडित (कठलाल), पंकज शर्मा (सिनियर एन्कर-अहमदाबाद) अशोक शर्मा (मोगर), सागर शर्मा (मोगर), हसमुख पंडित (पोर-युवा प्रदेश अध्यक्ष), प्रेम शर्मा (आणंद), सतीश शर्मा (महुधा), विनोद शर्मा (वड़ोदरा), चंचलभाई शर्मा (वड़ोदरा), जयप्रकाश शर्मा (दिल्ली) सहित समाज के विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय पंडितने इस कार्यक्रम को सफल बताया । उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि समाज में सूचना पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम उभर रहा है। उन्होंने पत्रिका शुरू करने वाले समाजबंधु विजय शर्मा, कमलश शर्मा एवं पंकज शर्मा को बधाई दी। और समाज में प्रगति के लिए नए विचारों को मूर्त रूप देने के लिए संगठन की तत्परता व्यक्त की।

सांसद मितेषभाई पटेलने आणंद जिले में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज को धर्मशाला या छात्रावास के लिए भूमि दिलवाने में सहयोग करने का आश्वासन दिया और समाज के सदस्यों से विचार-विमर्श कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने समाज की पत्रिका की भरपूर प्रशंसा की। और उन्होंने ऐसी पत्रिका के माध्यम से जनता तक पहुंचने वाले संपादकों और लेखकों की सराहना की।

इस खास मुलाकात के दौरान सांसद मितेषभाई पटेलने पत्रकार पंकज शर्मा को उनके द्वारा लिखित पुस्तक भी भेट दी गई। जिसका नाम है "अंत्योदय को समर्पित प्रधानसेवक"। इस पुस्तक में केन्द्र की भाजपा सरकार के 9 साल सफल सुशासन के संदर्भ में पिछले 9 साल में देश को समर्पित कई परियोजनाए एवं सरकार के मजबूत फैसले के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है।

घर-घर पत्रिका वितरण-घर-घर पढ़ा गया अखबार

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रिका खबर

पंचमहाल-दाहोद-महिसागर में घर घर पत्रिका वितरण

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रिका खबर

महिसागर-दाहोद-पंचमहाल में घर घर पत्रिका वितरण, महिलाओने पत्रिका पढकर खुशी व्यक्त की

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रिका खबर

पंचमहाल-दाहोद-महिसागर में घर घर पत्रिका वितरण

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रिका खबर

पंचमहाल-दाहोद-महिसागर में घर घर पत्रिका वितरण

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रिका खबर

गोधरा से लुणावाडा,दाहोद,संतरामपुर में घर घर पहुंची पत्रिका (राजकुमार शर्मा-गोधरा)

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

योग दिवस

समाजबंधुओने विश्व योग दिवस पर विभिन्न योगमुद्राओ से योग करके अभिभूत किया

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र शर्मा दहेगाम में योग करते हुए

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रकार पंकज शर्मा बोपल के इकोलॉजी पार्क में विभिन्न योग करते हुए

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रिका खबर

अहमदाबाद के बोपल में पुष्पाबेन शर्मा ने विश्व योग दिवस के अवसर पर सोसायटी के निवासियो को योग सिखाया

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

डॉ दौलत कुमार शर्मा, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, गांधीनगर में योग करते हुए

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

हेमंत शर्मा(नरोडा), अहमदाबाद में योग करते हुए

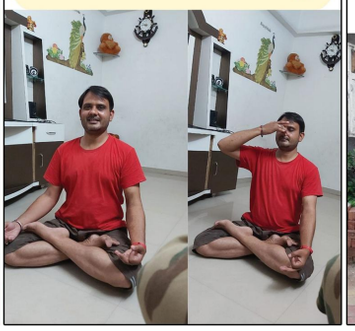

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

वासद(आणंद) में योग करते हुए महेश पंडित

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

भरत पुरोहित, घोडासर, मणिनगर, अहमदाबाद में योग करते हुए

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

पत्रिका खबर

इन्दौर की अनिता शर्मा ने योग दिवस पर दिया योग प्रशिक्षण

इन्दौर की अनिता शर्मा ने योग दिवस पर दिया योग प्रशिक्षण

रूपेश शर्मा, इंदौर। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज इंदौर म.प्र. की इंदौर महिला कार्यकारिणी की सदस्य श्रीमती अनिता शर्मा - गोगोरिया-योग संचालिका-संस्था अरुयोगासन के द्वारा योग के माध्यम से लोगो मे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर एक विशेष अभियान का शंखनाद करा है और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए शहर ही नही अपितु पूरे देश मे समाज का नाम रोशन कर रही है। प्रतिवर्ष की भाँति, इस बार भी उनकी संस्था अरुयोगासन के द्वारा विश्वविख्यात शंकरा आई सेंटर, इंदौर की विजय नगर में स्थित शाखा में 21 जून 2023 के दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगा की विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्था अरुयोगासन की संचालिका योग साधिका अनिता शर्मा ने बताया कि कोरोना की वैश्विक महामारी के दौरान इसके संक्रमण ने लोगों के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता को मानसिक और शारारिक रूप से कमजोर करते हुई उनके स्वास्थ्य के ऊपर काफी प्रतिकूल प्रभाव डाला है। और जिसको मजबूत करने के लिए हमारा लक्ष्य यही हैं की "मनुष्य अपनी पूर्ण उन्नति

कर , यौगिक जीवनशैली को अपने जीवन में उतार ले , मेरे भारत के साथ साथ समस्त विश्व का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास कर , मोक्ष की ओर अग्रसर हो| हमारे इस मानवसेवा रूपी प्रयास को पूरा करेंगे आप और मैं..योग जैसी सांस्कृतिक विरासत को अपने जीवन में प्रवेश देकर पूर्ण स्वास्थ्य को हम प्राप्त करेंगे । स्वयं निरोगी रहेंगे एवं दूसरों को भी योग के प्रति जागृत करेंगे। उन्होंने कहा कि योग प्राणायाम, आसनों और योग क्रियाओ से श्वसन तंत्र को मजबूत कर रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ाई जा सकती है। इन योग प्राणायाम, आसनों और योग क्रियाओ की श्रुंखला में हैं भास्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम: विलोम, भ्रामरी, उदगीथ, उज्जायी, उष्ट्रासन, पश्चिमोत्तानासन, पवनमुक्तासन, उत्तानपादासन, जलनेति, सूत्र नेति एवं कुंजल क्रिया प्रमुखता से शामिल है।

अहमदाबाद महिला समिति द्वारा समाज के बच्चो के उत्साहवर्धन के लिए अनूठा कार्यक्रम आयोजित हुआ

नैना शर्मा, अहमदाबाद : अहमदाबाद में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज की महिलाएं अपने स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक हो रही हैं और दूसरों को भी प्रेरित कर रही हैं। 17 जून 2023 को अहमदाबाद के मणिनगर में महिला समिति द्वारा बच्चों के लिए प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 40 बच्चों को विभिन्न उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन समाज के बच्चों को समाज के प्रति जागरूक करने और उनमें आत्म विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम का सफल संचालन लीना पंडित (घोड़ासर), खुशबू शर्मा (मणिनगर), नैना शर्मा (ओढव), अंजू शर्मा (ओढव), कविता शर्मा (ओढव) ने किया। उपस्थित महिलाओं ने कार्यक्रम को शानदार व प्रेरक बताया। भविष्य में महिलाओं के साथ रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में विचार-विमर्श कर सभी का उत्साह बढ़ाया।

क्या आपको घुड़सवारी पसंद है? तो पूरा हो जाएगा शौक, जानिए कैसे!

अहमदाबाद के घुड़सवारी के शौकीन हर्ष शर्मा के पास है एक घोडी और एक घोडा

पंकज शर्मा, अहमदाबाद : पुलिस का घोड़ों से रिश्ता सदियों पुराना है. हालाँकि अब घोड़ों की जगह गाड़ियों ने ले ली है, लेकिन घुड़सवार इकाइयाँ गुजरात पुलिस में काम कर रही हैं। शाही समय में बहुत महत्वपूर्ण रही यह घुड़सवारी आज भी युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। यही कारण है कि युवा घुड़सवारी के प्रति भी काफी आकर्षित होते हैं। इस आकर्षण को उचित मार्गदर्शन देने का काम अहमदाबाद के युवा समाजबंधु हर्ष शर्मा कर रहे हैं।

जब हम सड़क पर किसी घोड़े या घोड़ागाड़ी को देखते हैं तो हमारे मन में स्वाभाविक रूप से घुड़सवारी का ख्याल आता है। पहले के समय में, घाटों पर राजाओं और महाराजाओं का कब्जा था। लेकिन बदलते समय के साथ दोपहिया और चार पहिया वाहनों के जमाने में घुड़सवारी कम ही देखने को मिलती है। लेकिन शहर में घुड़सवारों का एक बड़ा वर्ग है जो नियमित रूप से घुड़सवारी का आनंद लेते हैं।

हर्ष शर्मा बताते हैं कि वह हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समुदाय से हैं। और उनका परिवार मूल रूप से बांदीकुइ-राजस्थान का रहने वाला है। हर्ष ने कहा कि घुड़सवारी के प्रति उनका प्रेम तब से शुरू हुआ जब वह बचपन में शादी की बारातों में घोड़ों को देखा करते थे। एक बार उन्हे घोड़े पर बैठने का मौका मिला और फिर घोड़ों से दोस्ती शौक में बदल गई। हर्ष कहते है कि आज मेरे पास एक घोड़ा और एक घोड़ी है। जिसे ज़ेड ब्लैक और मारवाडी नसल जिसे सबसे ऊंची नसल कहा जाता है। हर्ष शर्मा ने घुड़सवारी का शौक अपनाने से पहले उन्होंने दो साल तक पुलिस स्टेडियम, अहमदाबाद में घुडसवारी का प्रशिक्षण लिया। वहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद घोड़ा पालने का निर्णय लिया।

शुरुआत में उन्होंने एक दोस्त के साथ दहेगाम के सोलंकीपुरा गांव स्थित फार्म हाउस में दो घोड़े रखे। लेकिन उसके बाद फिलहाल अहमदाबाद के वैष्णोदेवी में एक जगह ले ली गई है जहां दोनों घोड़ों की देखभाल की जा रही है। हर्ष बताते है कि मेरे पास जो घोड़ी है उसकी बहुत मांग है। इस घोड़ी की नाल की भी काफी डिमांड है। लेकिन मैं इसे किसी को बेच नहीं रहा हूं। घोडो की खुराक का ध्यान रखा जाता है, हम उसे उड़द, तुवर, जौ की भूसी सहित पांच खाद्य पदार्थ इकट्ठा करके खिलाते हैं। हम इस बात का विशेष ध्यान रखते हैं कि उसे प्रोटीन और विटामिन मिले।

हर्ष शर्मा कहते हैं कि घुड़सवारी सीखने के लिए घोड़े के स्वभाव को समझना जरूरी है। अगर आप घोड़े को समझ लेंगे तो आपके लिए घुड़सवारी सीखना बहुत आसान हो जाएगा। कोई भी व्यक्ति तीन महीने से भी कम समय में घुड़सवारी सीख सकता है। घोड़े के स्वभाव की बात करें तो यह एक ऐसा जानवर है जो अपने मालिक के साथ रहने के बाद उसके प्रति पूरी तरह वफादार होता है। इसकी ऊर्जा से आपको काफी सकारात्मकता भी मिलती है। गुजरात में घोड़ों की सबसे ऊंची नस्ल मारवाड़ी नस्ल है. इसके बाद सिंधी और काठियावाड़ी घोड़े भी पाए जाते हैं. लेकिन खूबसूरती के मामले में घोड़ों की मारवाड़ी नस्ल बहुत मशहूर है. घोड़ों को रखना भी महंगा है. हर्ष शर्मा कहते हैं कि महिने में एक घोड़े का निभाव खर्च लगभग 18 हजार से 20 हजार आता है।

हर्ष शर्मा वर्तमान में मेडिसीन क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। वह अहमदाबाद में मेडिसीन डीस्ट्रीब्युटर का काम भी करते हैं और साथ ही उन्हें घोड़ों का भी शौक है.हर्ष शर्मा ने कहा है कि अगर हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के युवा घुड़सवारी सीखना चाहते हैं तो उनके लिए वैष्णोदेवी रोड पर जासपुर गांव जाते है तो वहां जगदंबा अस्तबल फार्म हमारी ही जगह है. वहां हम घुड़सवारी सिखाते हैं..इस जगह पर आपको कुल चार घोड़े देखने को मिलेंगे.आप कभी भी 9558829012 नंबर पर हमे कॉल कर सकते हैं। हम समाजबंधुओ को घुड़सवारी सिखाने के इच्छुक हैं।

Kamlesh Sharma

M : 9427022758
M : 9898584469

K. M. Transport Service

Truck, Trailors, Cranes, Suppliers For All Over India
Specialist in O.D.C. Consignment, Carting & Crane Contractor.

Nathabhai Estate, Opp. Suncor Plaza, Nr. Jashodanagar Cross Road,
Amraiwadi, Ahmedabad-380026. | Email : kmts9@yahoo.in

શિવશક્તિ

ડેરી એન્ડ સ્વીટ માર્ટ

દૂધ, દહીં, ઘી, છાશ, માવો, પેંડા, પનીર, ચીઝ, બટર, શ્રીખંડ, બાસુંદી

યમુનેશ્વર મહાદેવની સામે, ડાકોર. મો. ૯૯૨૪૯ ૧૧૫૭૭

P.W.D. ગેસ્ટહાઉસની સામે, કપડવંજ રોડ, ડાકોર. મો. ૮૦૦૦૦ ૭૦૧૫૭

નગરપાલિકા શોપીંગ સેન્ટર, ઓડ બજાર, ઉમરેઠ. મો. ૯૮૯૮૩ ૩૫૨૦૦

આર્યન કોમ્પલેક્ષ, બસસ્ટેન્ડની બાજુમાં, ઉમરેઠ. મો. ૯૦૧૬૩ ૬૦૦૦૦

VIJAY C. SHARMA
M. 81400 36786
98797 61676

JAIMIN V. SHARMA
M. 70415 07786

Ambica
DAIRY PRODUCTS
SINCE 1974
આવો કરીએ સંબંધોની મીઠી શરૂઆત...

બાસુંદી, કેરીનો રસ, મઠો, શ્રીખંડ, વિવિધ ફ્લેવરમાં આઈસ્ક્રીમ,
તાજો માવો, માખણ, ફ્રેશ પનીર, પંજાબી દહીં,
ચીઝ, ક્રીમ વગેરે શુદ્ધ અને સ્વાદિષ્ટ મળશે.

ઓર્ડર ઉપર પુરતું ધ્યાન
આપવામાં આવશે.

લગ્ન તેમજ શુભ પ્રસંગે
દરેક આઈટમ વ્યાજબી ભાવે મળશે.

PROPERTY INVESTORS

બ્રાન્ચ-૧ : ચોરીવાડ હાઈસ્કૂલની સામે,
તા. ઈડર, જિ. સાબરકાંઠા.

બ્રાન્ચ-૨ : પ્લોટ નં. ૧૦૧, જલારામ સોસાયટી, લાલજીપુરા રોડ,
શ્રી રામ બ્લોક ફેકટરી સામે, હરિધામ સોખડા.